

| رقم | طرف الحديث            | المستدرک  | حكم الإمام<br>حاكم | حكم الذهبي              |
|-----|-----------------------|-----------|--------------------|-------------------------|
| 1   | خير مساجد..           | 209/1     | سكت عنه<br>الحاكم  | سكت عنه الذهبي          |
| 2   | إذا رأيتم الرجل.....  | 212/1     | صح                 | در اج كثير المناكير     |
| 3   | إذا أدیت... ..        | 390/1     | //                 | صح                      |
| 4   | أكثرُوا ذكر الله..... | 499/1     | //                 | سقط الحديث من<br>تلخيصه |
| 5   | استكثروا.....         | 513-512/1 | //                 | صح                      |
| 6   | قال موسى...           | 528/1     | //                 | //                      |
| 7   | أعوذ بالله..          | 532/1     | //                 | //                      |
| 8   | قد هجرت ..            | 104-103/2 | //                 | واه                     |
| 9   | تشويه النار..         | 246/2     | //                 | صح                      |

|    |                       |           |     |                     |
|----|-----------------------|-----------|-----|---------------------|
| 10 | إذا رأيتم..           | 332/2     | //  | //                  |
| 11 | إن الحميم..           | 387/2     | //  | //                  |
| 12 | تشويه النار..         | 395/2     | //  | سقط من تلخيصه       |
| 13 | إن عليهم التيجان..... | 427-426/2 | //  | صح                  |
| 14 | لو أن رصاصة..         | 439-438/2 | //  | //                  |
| 15 | ينظر إلى وجهه..       | 475/2     | //  | صاحب عجائب          |
| 16 | كعكر الزيت.....       | 501/2     | //  | صح                  |
| 17 | الويل وإد             | 507/2     | //  | //                  |
| 18 | // // //              | 534/2     | //  | //                  |
| 19 | لو أنكم لا ..         | 246/4     | //  | //                  |
| 20 | إن الشيطان ..         | 261/4     | //  | //                  |
| 21 | أيما امرأة..          | 289/4     | سكت | سكت                 |
| 22 | لاحليم....            | 293/4     | صح  | صح                  |
| 23 | لو أن رجلاً..         | 314/4     | //  | //                  |
| 24 | الشرك الخفى..         | 329/4     | //  | //                  |
| 25 | أصدق الرؤيا..         | 392/4     | //  | //                  |
| 26 | سيأتى على..           | 457/4     | //  | //                  |
| 27 | إن فى النار...        | 593/4     | //  | //                  |
| 28 | إن الأرضين..          | 594/4     | //  | كثير المناكير       |
| 29 | ويل وإد...            | 596/4     | //  | صح                  |
| 30 | ينصب للكافر..         | 597/4     | //  | //                  |
| 31 | مقعد الكافر..         | 598/4     | //  | //                  |
| 32 | لو أن مقمعاً..        | 600/4     | //  | حكم مذکور نہیں      |
| 33 | لسراق النار..         | 601/4     | //  | سقط الحديث من تلخيص |
| 34 | لو ضرب..              | 601/4     | //  | صح                  |
| 35 | لو أن دلو..           | 602/4     | //  | //                  |

|    |                 |       |    |                            |
|----|-----------------|-------|----|----------------------------|
| 36 | ماء كالمهل..    | 604/4 | // | //                         |
| 37 | إذا كان يوم ... | 605/4 | // | //                         |
| 38 | يأكل التراب..   | 609/4 | // | مالحقه (أى أبوقلابة أباذر) |